Economics (I·A)
(173)
30/07/2020

A) THEORY OF PROF. MARSHALL :->

Prof. Marshall के सिद्धान्त को जाँच एवम् भूल प्रणाली (trial & error method) कहते हैं। इस प्रणाली के अनुसार एकाधिकारी विभिन्न मूल्यों पर प्राप्त होने वाले लाभ की जाँच करके अन्त में ऐसा मूल्य निर्धारित करता है जिसपर उसे अधिकतम लाभ प्राप्त होता है। विभिन्न मूल्यों की जाँच के क्रम में एकाधिकारी से भूल होने की सम्भावना रहती है। अर्थात् वह ऐसा भी मूल्य निश्चित कर सकता है जिसपर लाभ अधिकतम न होकर घाटा होता है। अतः इस प्रणाली को जाँच एवम् भूल प्रणाली कहते हैं।

जाँच एवम् भूल प्रणाली से मूल्य निश्चित करने के लिए एकाधिकारी निम्न दो बातों पर निर्भर करता है-

i) माँग की लोच (ED),
ii) उत्पत्ति का नियम (laws of returns)।

i) माँग की लोच :-> एकाधिकारी अपना मूल्य निश्चित करते समय वस्तु की माँग की लोच पर ध्यान देता है। जब वस्तु की माँग की लोच इकाई से अधिक होती है तो ऐसी स्थिति में एकाधिकारी कम मूल्य पर वस्तु बेचना चाहता है। इससे एकाधिकारी की कुल आय में वृद्धि होती है।

जब ED इकाई से कम रहती है तो एकाधिकारी अधिक कीमत रखता है

जिससे उसकी आय में वृद्धि होती है।

(ii) उत्पत्ति के नियम :- यदि उत्पादन में उत्पत्ति वृद्धि नियम लागू होता है तो एकाधिकारी कम कीमत पर वस्तु बेचता है।

यदि उत्पादन में उत्पत्ति ह्रास नियम लागू होता है तो ऐसी स्थिति में एकाधिकारी अपनी वस्तु की कीमत को बढ़ा देगा।

PROF. MARSHALL के अनुसार एकाधिकारी आय एवम् मूल्य प्रणाली के आधार पर मूल्य निश्चित करने के लिए ED एवम् उत्पत्ति के नियमों का सहारा लेता है। एकाधिकारी अपना मूल्य उस बिन्दु पर निश्चित करता है जहाँ उसकी कुल आय एवम् कुल व्यय का अन्तर अधिकतम हो क्योंकि इसी अवस्था में एकाधिकारी को अधिकतम शुद्ध लाभ प्राप्त होगा। इसे निम्न चित्र के द्वारा दिखाया गया है -